माणिक्यलाल वर्मा श्रमजीवी महाविद्यालय

टॉउन हॉल रोड, उदयपुर

समाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकाय

परिचय

मातृ संस्था राजस्थान विद्यापीठ कुल द्वारा सन् 1937 में ''सरस्वती मन्दिर'' की स्थापना की गई थी । उस समय उसका उद्देश्य आर्थिक कठिनाईयों के कारण नियमित अध्ययन से वंचित नवयुवकों को रात्री कक्षाओं द्वारा हिन्दी साहित्य सम्मेलन की विभिन्न परीक्षाओं हेतु अध्ययन का अवसर प्रदान कर उनके व्यक्तित्त्व के विकास का मार्ग प्रशस्त करना तथा उनमें राष्ट्रीय एवं जनतांत्रिक चेतना जागृत करना था । राजस्थान विद्यापीठ के संस्थापक कुलपति पं. जनार्दन राय नागर के कुशल नेतृत्व, सूझबूझ व प्रेरणा से यह सरस्वती मन्दिर आगे चलकर सन् 1956 में राजस्थान विश्वविद्यालय से सम्बद्ध सांध्य स्नातक महाविद्यालय के रूप में विकसित हुआ । राजस्थान में यह प्रथम सांध्य महाविद्यालय था । जीविकोपार्जन हेतु दिन में कार्यरत व्यक्तियों को अध्ययन हेतु इस महाविद्यालय में सुरक्षा प्रदान की गई, अतः इसका नामकरण ''श्रमजीवी महाविद्यालय'' किया गया। कालान्तर में मेवाड संभाग में राष्ट्रीय आन्दोलन के जनक श्री माणिक्यलाल वर्मा की पुण्य स्मृति को इस महाविद्यालय से सम्बद्ध करके इसका नाम ''माणिक्यलाल वर्मा श्रमजीवी महाविद्यालय '' कर दिया गया ।

राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर की पांच संस्थाओं को सन् 1987 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा डिम्ड विश्वविद्यालय घोषित कर दिया गया । तब से दक्षिण राजस्थान का यह प्रतिष्ठित महाविद्यालय जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (मान्य) विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालय के रूप में मेहनतकश, ग्रामीण, जनजाति एवं शहरी क्षेत्र के जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षा के गुणवता पूर्ण अवसर प्रदान कर रहा है।

सन् 1956 के अपने आरम्भ काल से ही इस रात्रीकालिन महाविद्यालय में कला एवं वाणिज्य संकाय के अधिकांश विषयों का अध्यापन होता रहा है। किन्तु 1987 में विश्वविद्यालय बननें के बाद रात्री के साथ ही सामान्य दिन में संचालित महाविद्यालय बन गया तथा महाविद्यालय के दो संकाय बन गयें, 1. सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकाय तथा वाणिज्य संकाय । सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकाय में संचालित विषयों में यहाँ स्नातक (B.A.) , स्नातकोत्तर (M.A.), M.Phil. एवं विद्यावाचस्पति (Ph.D.) के साथ ही अन्य व्यवसायिक डिप्लोमा पाठ्यक्रमों का संचालन भी किया जा रहा है, वर्तमान में कला संकाय के अर्न्तगत हिन्दी, संस्कृत , अंग्रेजी , ज्योतिष , भूगोल, अर्थशास्त्र, इतिहास, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञाान एवं लोकप्रशासन ये नो विभाग संचालित किये जा रहें हैं ।

सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकाय में संचालित पाठ्यक्रम –

त्रि -वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (बी.ए.)

प्रथम वर्ष (वार्षिक प्रणाली) –

अनिवार्य विषय

1. प्रयोजन मूलक हिन्दी
2. Gender & Society (for Foreign Students)

वैकल्पिक विषय – विद्यार्थी को निम्न पॉच वर्गों में से प्रत्येक वर्ग से एक विषय का चयन करते हुए कुल तीन विषयों का चयन करना है –

वर्ग 1.	अर्थशास्त्र	अथवा	संस्कृत साहित्य
वर्ग 2.	समाजशास्त्र	अथवा	पर्यावरण विज्ञान
वर्ग 3.	भूगोल	अथवा	इतिहास अथवा पुरातत्व एवं संग्रहालय
वर्ग 4.	राजनीति विज्ञान	अथवा	लोक प्रषासन
वर्ग 5.	हिन्दी साहित्य	अथवा	अंग्रेजी साहित्य अथवा ज्योतिष

नोट :– 1. भाषा वर्ग से अधिकतम दो विषय का चयन किया जा सकता है। 2. पाठ्यक्रम एवं प्रश्न पत्रों के विस्तृत विवरण हेतु पाठ्यक्रम पुस्तिका या सम्बन्धित विभाग से सम्पर्क किया जाए।

क्र.सं.	विभाग	विषय एवं प्रश्न पत्र का नाम
1.	अर्थशास्त्र विभाग	प्रथम : व्यष्टि अर्थशास्त्र
		द्वितीय : भारतीय अर्थव्यवस्था
2.	इतिहास एवं संस्कृति	प्रथम : प्राचीन भारत का इतिहास एवं संस्कृति
		द्वितीय : राजस्थान का इतिहास एवं संस्कृति
3.	अंग्रेजी विभाग	प्रथम : Poetry Drama and Grammar
		द्वितीय : Prose and Fiction
4.	भूगोल विभाग	प्रथम : भौतिक भूगोल (Physical Geography)
		द्वितीय : मानव भूगोल (Human Geography)
5.	हिन्दी विभाग	प्रथम : आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्य
		द्वितीय : नाटक एवं रंगमंच
6.	समाजशास्त्र विभाग	प्रथम : Elementary Sociology
		द्वितीय : Society in India
7.	राजनीति विज्ञान विभाग	प्रथम : राजनीति विज्ञान के मूलाधार
		द्वितीय : भारतीय राजनीतिक विचारक
8.	लोक प्रशासन विभाग	प्रथम : लोक प्रशासन के सिद्धान्त
		द्वितीय : प्रशासनिक सँस्थाए
9.	संस्कृत विभाग	प्रथम : काव्य एवं नाटक
		द्वितीय : गद्य, व्याकरण एवं अनुवाद

तृतीय सेमेस्टर

अनिवार्य विषय – 1- Functional English

वैकल्पिक विषय – प्रथम सेमेस्टर के अनुरूप ही रहेगें ।

चतुर्थ सेमेस्टर

अनिवार्य विषय – 1- General English

वैकल्पिक विषय – प्रथम सेमेस्टर के अनुरूप ही रहेगें ।

क्र.सं.	विभाग	विषय एवं प्रश्न पत्र का नाम
1.	अर्थशास्त्र विभाग	तृतीय : Macro Economics
		चतुर्थ : Money, Banking and Public Finance
2.	इतिहास एवं संस्कृति	तृतीय : मध्यकालीन भारत का इतिहास (1000–1717 ई.)
		चतुर्थ : आधुनिक युरोप का इतिहास (1789–1914 ई.)
3.	अंग्रेजी विभाग	तृतीय : Poetry and Grammar
		चतुर्थ : Drama
4.	भूगोल विभाग	तृतीय : Resource Geography
		चतुर्थ : Geography of India

5.	हिन्दी विभाग	तृतीय : आधुनिक काव्य
		चतुर्थ : निबंध एवं संस्मरण
6.	समाजशास्त्र विभाग	तृतीय : Social Research Method
		चतुर्थ : Tribal Society : Structure and Change
7.	राजनीति विज्ञान विभाग	तृतीय : Modern Constitutions
		चतुर्थ : Indian Political System
8.	लोक प्रशासन विभाग	तृतीय : Public Administration in India
		चतुर्थ : State Administration in India
9.	संस्कृत विभाग	तृतीय : नाटक, छंद एवं अलंकार
		चतुर्थ : प्राचीन भारतीय संस्कृति, पद्य साहित्य एवं व्याकरण

क्र.सं.	विभाग	विषय एवं प्रश्न पत्र का नाम
1.	अर्थशास्त्र विभाग	पंचम : Elements of Statistics
		षष्ठ : International Trade
2.	इतिहास एवं संस्कृति	पंचम : आधुनिक भारत का इतिहास
		षष्ठ : आधुनिक विश्व का इतिहास
3.	अंग्रेजी विभाग	पंचम : Indain Writings in English
		षष्ठ : Grammar Fiction & Prose
4.	भूगोल विभाग	पंचम : Introduction of Geography Thought
		षष्ठ : Environment Geography
5.	हिन्दी विभाग	पंचम : आधुनिक काव्य
		षष्ठ : निबंध एवं संस्मरण
6.	समाजशास्त्र विभाग	पंचम : Foundation of Sociological Thoughts
		षष्ठ : Social Demography
7.	राजनीति विज्ञान विभाग	पंचम : Modern Political Theories
		षष्ठ : International Relation
8.	लोक प्रशासन विभाग	पंचम : Local Self Govt. in India
		षष्ठ : Comparative Public Administration
9.	संस्कृत विभाग	पंचम : वैदिक एवं लौकिक साहित्य
		षष्ठ : संस्कृत साहित्य का इतिहास, भारतीय दर्शन, व्याकरण एवं रचना

नोट :— 1. भाषा वर्ग से अधिकतम दो विषय का चयन किया जा सकता है। 2. पाठ्यक्रम एवं प्रश्न पत्रों के विस्तृत विवरण हेतु पाठ्यक्रम पुस्तिका या सम्बन्धित विभाग से सम्पर्क किया जाए।

नोट :– 1. भाषा वर्ग से अधिकतम दो विषय का चयन किया जा सकता है। 2. पाठ्यक्रम एवं प्रश्न पत्रों के विस्तृत विवरण हेतु पाठ्यक्रम पुस्तिका या सम्बन्धित विभाग से सम्पर्क किया जाए।

अतिरिक्त पाठ्यक्रम (Add-on Course)

प्रथम सेमेस्टर से षष्ठ सेमेस्टर के दौरान प्रत्येक विद्यार्थी को एक अतिरिक्त पाठ्यक्रम (Add on Course) करना अनिवार्य होगा ।

- इस पाठ्यक्रम की अवधि तीन माह की रहेगी ।
- न्यूनतम 30 छात्र होने पर ही पाठ्यक्रम संचालित किया जायेगा ।
- पाठ्यक्रम शुल्क 600 /–रू. एवं परीक्षा शुल्क 200 /– रू. रहेगा ।

निम्नलिखित विषयों में उक्त पाठ्यक्रम प्रस्तावित हैं –

1.	हिन्दी विभाग	:	भाषा दक्षता पाठ्यक्रम
2.	अंग्रेजी विभाग	:	Spoken English (Basic/ Advanced)
3.	राजनीति विज्ञान विभाग	:	ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थाओं की कार्य प्रणाली
4.	अर्थशास्त्र विभाग	:	1. खुदरा व्यापार 2. व्यक्तित्व विकास एवं संवाद – कुशलता
5.	संस्कृत विभाग	:	योग शिक्षा पाठ्यक्रम
6.	भूगोल विभाग	:	1. Basic of GIS & Remote Sensing 2. भूगोल एवं वास्तु नियोजन 3. भूगोल एवं जीवन का विज्ञान
7.	पर्यावरण एवं जल प्रबन्धन	:	पर्यावरण विज्ञान के मूल तत्व
8.	लोक प्रशासन	:	लोक प्रशासन के सिद्धान्त